समाधि लाके भोला बह गया

साहड़े राजा जी दे बाग विच आके
समाधि लाके भोला बह गया
भोला बह गया शम्भु बह गया

कोई कहन्दा गोरजा वियाहन नु आया है
ना कोई कोड़ी ते रथ लेके आया है
बुडे बैल उत्ते करके सवारी
समाधि

कोई इसनु भोला कहन्दा कोई त्रिपुरारी है
ना कोई घर येह्दा ना कोई अटारी है
सारी धरती नु अपना बनाके
समाधि

लमी लमी दाहडी इस्दी लमी जटा है
आग दे अंगारिया वांगू इस्दिया निगाह है
हाथ डमरू ते सांप गल पाके
समाधि

कोई नही जाने इस भोले दी माया है
उसदी धुप ते उसदी ही छाया है
सारी दृस्टि दा चक्कर चलाके
समाधि

Source:
https://www.bharattemples.com/smadhi-laake-bhola-beh-geya-sade-raja-ji-de-bhaag-vich-aake/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw